॥ श्री तुलसी जी की आरती ॥

जय जय तुलसी माता, सब जग की सुखदाता।
सब योगों के ऊपर, सब भोगों के ऊपर,
रुज से रक्षा कर भव त्राता।
॥ जय जय तुलसी माता ॥

बटु पुत्री है श्यामा सुर बल्ली है ग्राम्या,
विष्णु प्रिये जो तुमको सेवे, सो नर तर जाता।
॥ जय जय तुलसी माता ॥

हरि के शीश विराजत त्रिभुवन से हो वंदित,
पतित जनों की तारिणी, तुम हो विख्याता।
॥ जय जय तुलसी माता ॥

लेकर जन्म विजन में आई दिव्य भवन में,
मानव लोक तुम्हीं से, सुख संपत्ति पाता।
॥ जय जय तुलसी माता ॥

हरि को तुम अति प्यारी श्याम वर्ण कुमारी,
प्रेम अजब है उनका तुम से कैसा नाता।
॥ जय जय तुलसी माता ॥

जय जय तुलसी माता, सब जग की सुखदाता।
सब योगों के ऊपर, सब भोगों के ऊपर,
रुज से रक्षा कर भव त्राता।
॥ जय जय तुलसी माता ॥

आरती, चालीसा, मंत्र व अन्य सनातन साहित्य की के लिए MyMandir वेबसाइट विजिट करें। जय श्री राम !